

प्रेषक,

अरविन्द सिंह हयांकी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता स्तर-1
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून ।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 3 अगस्त, 2007

विषय:- वित्तीय वर्ष 2006-07 में सामान्य भरम्मत के अन्तर्गत तीन कार्यों की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०-6062/24(24)याता.-06 दिनांक 09.11.06 संख्या- 7908/06बजट दिनांक 28.03.07 एवं सं० 7909/06बजट दिनांक 28.03.07 के संदर्भ में एवं शासनादेश सं० 2198/111(2)06-10(बजट)/06 दिनांक 28.07.06, सं० 2208/111(2)06-10(बजट)/06 दिनांक 11.11.06 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आपके द्वारा उपलब्ध कराये गये 03 कार्यों के आगमन लागत रु० 72.97 लाख पर टी.ए.सी. वित्त द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पाई गई धनराशि रु० 68.90 लाख (रुपये अड़सठ लाख नब्बे हजार मात्र) की धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति संलग्न विवरणानुसार प्रदान किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2. वार्षिक अनुरक्षण पर व्यय आवश्यकतानुसार शासनादेश सं० 2198/111(2)/06-10(बजट)/06 दिनांक 28.07.06 एवं शासनादेश सं० 1403/111(2)/06-10(बजट)/06 दिनांक 23.11.06 द्वारा आपके निर्वहन पर रखी गई धनराशि से आपके पत्र सं० 7541/06 बजट(भाग)/सेतु-अनु०-आयो०/06-07 दिनांक 18.03.07 का द्वारा प्रदर्शित बचत में से ही वहन किया जायेगा।

3. स्वीकृत किये जा रहे कार्य की वास्तविक आवश्यकता एवं इस पर होने वाले व्यय, कार्य की गुणवत्ता तथा समयबद्धता के संबंध में पूर्ण उत्तरदायित्व मुख्य अभियन्ता स्तर-1 ला०नि०वि० देहरादून का होगा।

4. कार्य कराने से पूर्व यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि एक ही कार्य के लिए दो स्रोतों से वित्त पोषण न हो।

5. मुख्य अभियन्ता स्तर-1 यह भी प्रमाण पत्र देंगे कि प्रस्तावित कार्य लोक निर्माण विभाग के मानकों के अनुसार अब कराया जाना आवश्यक हो गया है।

6. उक्त कार्य के अन्तर्गत निहित रिफ्लेक्टिव साइनेज, कंट आई, सैन्ट्रल लाइट आदि ऐसे कार्यों, जिनकी गुणवत्ता परीक्षण हेतु विनागीय प्रयोगशाला में सुविधा तुल्य नहीं है, उनकी गुणवत्ता का परीक्षण राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित एवं मान्यता प्राप्त तकनीकी संस्था से कराया जायेगा और कार्य सन्तोषजनक होने की पुष्टि के उपरान्त ही भुगतान की कार्यवाही की जायेगी।

7. उक्त कार्य पर व्यय की स्वीकृति के दिश्य में शेष सभी शर्तें उपरिलिखित शासनादेश दिनांक 28 जुलाई 2006 के अनुसार ही रहेंगी।

संलग्नक:-यथोक्त।

महोदय,

(अरविन्द सिंह हयांकी)
अपर सचिव।

संख्या- (1)/111 (2)/07 तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा प्रधन) उत्तराखण्ड, देहरादून ।
- 2- आयुक्त गढ़वाल, मण्डल पौड़ी ।
- 3- मुख्य अभियन्ता गढ़वाल क्षेत्र लो.नि.वि./पौड़ी ।
- 4- वित्त अनुभाग-2/ वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन ।
- 5- अधिशासी अभियन्ता प्रा0/निर्माण खण्ड, लो.नि.वि., गोपेश्वर/देहरादून/ऊखीमठ ।
- 6- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, देहरादून ।
- 7- लोक निर्माण अनुभाग-1/3
- 8- ~~मह. हु.~~

(अरविन्द सिंह ह्याक्री)
अपर सचिव ।

शासनादेश सं०- 664 / 111-2/07-10(बजट) / 2008 दिनांक 30 मार्च, 07
का संलग्नक

क. सं.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित धनराशि (लाख रु० में)	टी.ए.सी. वित्त द्वारा स्वीकृत धनराशि (लाख रु० में)
1	2	3	4	5
1	मेयर सम्मेलन हेतु देहरादून की सड़कों का सौन्दर्यीकरण का कार्य	निर्माण खण्ड देहरादून	27.88	27.80
2	जनपद चमोली में सीमान्त पथों पर कार्यरत सीजनल गैंग का वेतन व वर्दी आदि का कार्य	प्रान्तीय खण्ड गोपेश्वर	27.09	24.00
3	रूद्रप्रयाग में गौरीकुण्ड-कैदारनाथ पैदल मार्ग, श्री कैदारनाथ हेलीपैड एवं पहुंच मार्ग को आवागमन खोलने हेतु आवश्यक कार्य	निर्माण खण्ड ऊखीमठ	18.00	17.10
	कुल योग		72.97	68.90

(रुपये अड़सठ लाख नब्बे हजार मात्र)

(अरविन्द सिंह हयांकी)
अपर सचिव।